NIRTH | Jabalpur

Editor in-chief
Dr. Aparup Das, Scientist G & Director

Editor
Dr. Kalyan B. Saha, Scientist F

Asstt. Editor
Dr. Arvind Verma, Pri. Tech. Officer

ICMR-NIRTH Special E-letter on Vigilance Awareness Week, 2018

Eradicate Corruption- Build a New India

Editorial

We believe that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and social progress of our country. We believe that all stakeholders such as Government, citizens and private sector need to work together to eradicate corruption.

We acknowledge our responsibility to lead by example and the need to put in place safeguards, integrity and code of ethics to ensure that we are not part of any corrupt practice and we tackle instances of corruption with utmost strictness.

We realize that as an organisation, we need to lead from the front in eradicating corruption and in maintaining highest standards of integrity, transparency and good governance in all aspect of our operations.

Central Vigilance Commission

Disclaimer: The views and opinions expressed in the articles do not necessarily reflect those of the NIRTH and Editors.

ICMR-National Institute of Research in Tribal Health
Nagpur Road, Garha, Jabalpur- 482 003, Madhya Pradesh, INDIA
Ph: 0761- 2370800/818, 2672445 Fax: 0761-2672239
Email: nirtrhjabalpur@gmail.com
www.nirth.res.in

NIRTH's views on vigilance issues

Plagiarism Free Science and Education: The Need of the Hour

This year very aptly the theme of Vigilance Awareness Week is "Eradicate Corruption-Build a New India". This is so because like the entire nation, the educational and research institutes are also going through a phase of transformation. The impact of internet and social media is more profound than ever, and the institutes responsible for driving innovation and development are under more stringent scanner. On 31st July, 2018 the University Grants Commission (UGC) notified UGC (Promotion of Academic Integrity and Prevention of Plagiarism in Higher Educational Institutions) Regulations, 2018 which is a much needed and welcome move to curb the menace of plagiarism - a form of corruption in science and education.

The University of Oxford defines plagiarism in very simple terms as "Plagiarism is presenting someone else's work or ideas as your own, with or without their consent, by incorporating it into your work without full acknowledgement." It is a general view that all material whether published or unpublished, in electronic, printed or manuscript form is under the purview of this definition. UGC's regulation has categorised plagiarism into different levels and also laid down the provisions for keeping a check on it. The most significant steps in the direction of curbing plagiarism in the UGC Regulation is creation of Departmental Academic Integrity Panel, use of technology and stress on creating awareness about plagiarism.

Plagiarism has developed deep roots into the academic and scientific arena with long term socio-economic costs. It is high time that we recognise and stop this mode of corruption. This regulation is perhaps the first step in ameliorating the scenario. The need of the hour is a joint effort to make science and education corruption free.

Dr. Nishant Saxena, Scientist - 'B'

Corruption: Core (System) –destroyer

Corruption is a multifaceted. The word corruption is originated from Latin (corrumpere) means destroyer or bribe. But more in general terms, corruption is a dishonest or offensive act undertaken by any person or organization at any level by enforcing provided authority power. From the ancient days, middle man will play major role in any sector to

progress the corruption. In every aspect corruption is involved like, usually the day will start with cup of coffee or tea. But due to corruption, instead of getting pure milk for coffee or tea, we are bound to use adulterated (man made- middle man) milk. So, corruption will starts from the day (adulteration) to influence of higher authorities for anaemic growth of any sector or organizations. Needless to say, there is no golden bullet to fight against corruption. However, proper use of technology in all sectors and providing sufficient knowledge about the technology to public may reduce the corruption. Further, in addition to use of technology, advertising or promoting transparency in every act by honest personnel in system (lower level to higher ups), putting social stigma on corrupt person, reforming administration and financial sectors, making sufficient information available to citizens about these two potential sectors from time to time, empowering the citizens, decentralization of powers and finally effective, timely enforcement of law on corrupt to break the cycle of corruption.

Finally, 'Corruption has very good past and present. But let's all join the hands to suppress its future'.

Dr. Manjunathachar HV, Scientist-B

भ्रश्टाचार की सुरसा

आज देश और समाज के सामने भ्रष्टाचार की सुरसा मुँह बाए खड़ी है। हम चाहकर या अनचाहे इसका दंश झेलने के लिए मजबूर हैं। देश में सरकार और उसकी संस्थाएं जहां एक ओर इसे मिटाने के लिए जुटी रहती हैं, वहीं समाज की मूल इकाई व्यक्ति और नागरिक भी अपने संघर्ष को जारी रखे हुए है। दरअसल, हमने तरक्की और सभ्यता के विकास के जिन पैमानों को तरजीह दी, उनमें नैतिक मूल्यों का पतन और भौतिक सुख–सुविधाओं का जुटाना ही जैसे जीवन का ध्येय बनकर रह गया। इस अंधी दौड़ में ईमानदारी, सच्चाई और सदाचार जैसे मूल्य किताबी बनकर रह गए हैं। मैं हमेशा डराने वाले धर्म के खिलाफ हूं, क्योंकि व्यक्ति अकेले में इस खोखले धार्मिक डर की चादर उतार फेंकता है और निरे स्वार्थ को पूजने लगता है, जहां तमाम नैतिक और धार्मिक वर्जनाएं टूट जाती हैं और आदम का बेटा आज भी आदिम आदमी बनकर अपनी भूख मिटाने के लिए सब कुछ करने तैयार हो जाता है। एक बार अंतःकरण यदि मर गया, तो कोई और ताकत नहीं जो उसे मौका मिलते ही स्वार्थपूर्ति हेतु गलत काम करने से रोक सके, न वहां पुलिस है, न सी.बी.आई. है, न ई.डी. है। हम झूठे धर्म और नैतिकता को छोड़ें और शुद्ध अंतःकरण की सुने, उसी में सबका भगवान बसता है, है तो वहीं, नहीं तो कहीं नहीं।

Mr. Hakim Singh Thakur, Hindi Translator

भष्ट्राचार

किसी भी देश के विकास के रास्ते में उस देश की समस्यायें बहुत बडी बाधाये होती है, इन सभी समस्यायों में सबसे बडी समस्या है भष्ट्राचार की समस्या। भष्ट्राचार का मतलब आचार से भ्रष्ट होना। हमारे देश में भष्ट्राचार एक लाइलाज रोग के रुप में फैला हुआ है, और हमारे समाज और राष्ट्र के सभी अंगो को बहुत ही गंभीरता पूर्वक प्रभावित

किये जा रहा है। भष्ट्राचार से व्यक्ति सार्वजनिक संपत्ति, शक्ति और सत्ता का गलत इस्तेमाल अपनी आत्म संतुष्टि और निजी स्वार्थ के लिये करता है।

भष्ट्राचार के कई कारण है – भैतिक विलासता मे जीने तथा ऐशोआराम की आदत, अधिक परिश्रम किर्ये बिना अधिक धनार्जन की चाहत, झुठी सामाजिक प्रतिष्ठा पाने के लिऐ।

भष्ट्राचार की जड़ो को उखाडने के लिऐ सबसे पहले यह आवश्यक है कि इसके विरुध्द कठोर कानून बनाकर उचित दण्ड दिया जाये और राजनीतिक हस्तक्षेप को पुरी तरह समाप्त किया जाये। देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि भष्ट्राचार का उन्मुलन करने के लिये कदम से कदम मिलाना होगा, और एक भष्ट्राचार मुक्त "भारत देश" के सपने को सच करना होगा।

Dr. Alpana Abbad, Principal Technical Officer

भ्रष्टाचार एक संक्रामक रोग

भ्रष्टाचार अर्थात भ्रषृ+आचार, भ्रषृ यानी बुरा या बिगड़ा हुआ । तथा आचार का मतलब आचरण । भ्रष्टाचार यानी वह आचारण जो किसी भी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हों । आज यह शब्द रिश्वत खोरी के अर्थ मे प्रयोग किया जाता हैं ˙ जब कोई व्यक्ति न्याय व्यवस्था के मान्य नियमों के विरुद्ध जाकर अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिये गलत आचरण करने लगता हैं तो वह व्यक्ति भ्रष्टाचारी कहलाता हैं । अनैतिक तरीकों का इस्तेमाल कर दूसरों से कुछ ज्यादा फायदा प्राप्त करना भ्रष्टाचारी का उद्देश्य होता हैं ।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भ्रष्टाचार ने हमारे सामाजिक मूल्यों का गला घोट दिया हैं । भ्रष्टाचार एक जहर है जो देश संप्रदाय और समाज के गलत लोगो के दिमाग में फैला होता हैं। भ्रष्टाचार से व्यक्ति सार्वजनिक संपत्ति शक्ति और सत्ता का गलत इस्तेमाल अपनी आत्म संतुष्टि और निजी स्वार्थ की प्रप्ति के लिये करता हैं । कई बार सरकारी अधिकारी जिन्हें जनता का सेवक माना जाता हैं । दोनों हाथो से जनता को लूटते हैं । रिश्वत खोरी एवं भ्रष्टाचार से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता हैं छोटी औकात पर अंधेरे को पास नहीं आने देता हैं क्षण–क्षण अग्नि परीक्षा देता है

भ्रष्टाचार एक संक्रामंक रोग की तरह है । समाज में विभिन्न स्तरो पर फैले भ्रष्टाचार को रोकने के लिये कठोर दंड व्यवस्था की आवश्यकता है । इसमें कोई संदेह नहीं है कि भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या है जो देश को खोखला कर रही है इस पर अंकुश लगाना अत्यंत आवश्यक है । भ्रष्टाचार हमारे नैतिक मूल्यों पर बहुत बड़ा प्रहार हैं भ्रष्टाचार से जुड़े लोग अपने स्वार्थ में अंधे होकर राष्ट्र का नाम बदनाम कर रहे है । भरोसे और ईमानदारी में आयी गिरावट की वजह से ही भ्रष्टाचार अपने पॉव पसार रहा है इस पर समय रहते अंकुश लगाना बहुत जरूरी हैं ।

Mr. L.S.Kaushal, Senior Technical Officer-II

भ्रष्टाचारः कारण एवं नियंत्रण

"आओ हम एक उम्मीद बने, भ्रष्टाचार को दूर करे"

बढ़ते भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने के लिए एक चीज जिसे सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, कि अपराधियों के खिलाफ मजबूत, निवारक और समय पर कानूनी कार्रवाई करने के लिए उनके राजनीतिक प्रभाव या धन शक्ति के बावजूद विभिन्न असामाजिक नियमों का उचित और निष्पक्ष उपयोग किया जाय। खतरे को रोकने के लिए दृढ़ और मजबूत कदमों की आवश्यकता है और एक ऐसे वातावरण को बनाना है जहां अच्छे, देशभक्त, बौद्धिक, भारत के लोगों के कल्याण के लिए सेवा, और ईमानदारी के साथ देश की सेवा करने के लिए आगे आते रहें।

Ms. Anjali Rajput, Lower Division Clerk

Some suggested measures to control corruption

Corruption is a shame for us. The major cause of concern is that corruption is weakening the political body and damaging the supreme importance of the law governing society and in turn spoils the moral of the people.

Suggestions for control corruption:

- The Right to Information Act (RTI) gives one all the required information. Under this act, one has the right to ask the Government on any problem which one faces.
- Another potent check on corruption is Central Vigilance Commission (CVC). It was setup by the Government to advise and guide Central Government agencies in the areas of vigilance. If there are any cases of corruption or any complaints thereof, then that can be reported to the CVC.
- Establishment of special courts for speedy justice can be a huge positive aspect. Much time should not elapse between the registration of a case and the delivery of judgment.
- Strong and stringent laws need to be enacted which gives no room for the guilty to escape.

Dr. Shiv K Singh, Senior Technician

Series of weeklong events at NIRTH

"Vigilance Awareness Week 2018" in which the birthday of Sardar Vallabhbhai Patel (31st October) falls with a theme "Eradicate corruption – Build a new India" was observed with zeal and enthusiasm at ICMR-NIRTH, Jabalpur from 29thOctober to 3rd November, 2018. On 29th October the Director of ICMR-NIRTH, Dr. Aparup Das read out oath, taken by staff of ICMR-NIRTH. The event was followed by visit of the team of scientists and technical officers to three schools and two villages in-and-around Jabalpur for sensitization on vigilance

awareness and taken oath by the school children and communities. A team of scientists visited the XIDAS college, Jabalpur, Sports Club of Jabalpur and petrol pump for sensitization and oath taking by citizen on 30thOctober 2018. Speech competition was held at ICMR-NIRTH and sensitization on vigilance and oath taking by inmates of the institute colony was conducted on 31stOctober, 2018. A slogan competition for the school students was conducted at ICMR-NIRTH on 1stNovember 2018. On 2nd November 2018 culmination of the Vigilance Awareness Week was conducted at the Auditorium of ICMR-NIRTH. Activities conducted during the week-long vigilance awareness was delivered by Dr. Kalyan B. Saha, Vigilance Officer, followed by speeches by Mr. R. K. Thakur, Section Officer, Stores, Mr. Pramod Kumar, Accounts Officer, Dr. Tapas Chakma, Scientists 'G', Dr. V. G. Rao, Scientist 'G' (retired) and consultant and Dr. Aparup Das, Director, ICMR-NIRTH. A detail and motivating lecture was delivered by Mr. S. P. Yadav Senior General Manager (retired), Gun Carriage Factory, Jabalpur, who was the Chief Guest on the occasion. Finally, prizes were distributed by the Chief Guest to winners of different competitions on vigilance awareness.

- **On 29th October 2018**





An integrity pledge was taken by the employees of the institute

		
Government Middle School, Bargi Hills	Government Primary school, Sagra	Government Higher secondary, Village Ghunsore
Sensitization on vigilance issues at schools		

	
Village Ghunsore	Village Manegaon
Sensitization activities and oath taking at Gram sabha in the villages	

On 30th October 2018

		
XIDAS, College	Jabalpur Sports Club	Petrol pump, Tilhari
Sensitization on vigilance issues at college, club and in petrol pump		

31st October 2018

<table>
<tr><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>Inmates of NIRTH colony</td><td colspan="2">Speech competition</td></tr>
<tr><td colspan="3">Sensitization on vigilance issues at NIRTH colony and speech competition at Auditorioum, NIRTH</td></tr>
</table>

1st November 2018

<table>
<tr><td></td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">Slogan competition on issues on corruption for the school students at NIRTH</td></tr>
</table>

2nd November 2018









Sensitization workshop at NIRTH

Core Vigilance Awareness Week, 2018 organising committee

Dr. Aparup Das, Scientist G & Director, Dr. Kalyan B Saha, Scientist F & Vigilance Officer; Dr. Nishant Saxena, Scientist B; Mr. Gyan Chan Jain, Administrative Officer; Mr. Promod Kumar, Accounts Officer; Dr. Arvind Verma, Principal Technical Officer; Dr. Alpana Abbad, Principal Technical Officer; Dr. Shiv K. Singh and Shri Vijay Kacchhi, Senior Technician-II; Mr Jagdish Singh Thakur, Laboratory Assistant shared the responsibility of carrying various activities.